ISBN No. "978-81-934531-C
Govt. P.G. College, Bina (M

राष्ट्रीय कार्यशाला
ग्रामीण महिला सशक्तिकरण - ग्राम नौगांव
प्रतिवेदन

डॉ. एम. एल. सोनी
संयोजक

शासकीय पी.जी. कॉलेज, बीना द्वारा यूजीसी की 12 वीं योजना के अन्तर्गत वाणिज्य एवं प्रबंध विभाग द्वारा ग्रामीण महिला सशक्तिकरण विषय पर ग्राम - नौगांव में दिनांक 11.02.2017 राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. विनोद कुमार पाण्डेय, इलाहाबाद ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु सरकारी प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक प्रयास भी बहुत आवश्यक हैं। महिलाओं में आत्मविश्वास जागृत करके स्वरोजगार के माध्यम से उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करना होगा। ग्राम में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन एक अद्वितीय कार्य है। अलीगढ़ से आए डॉ. अजय कुमार तोमर ने कहा कि महिला स्वयं उद्यमी होती हैं, उन्हें केवल अवसर देने की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्र में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन एक सराहनीय पहल है। इससे महिलाएं वास्तविक रूप से लाभान्वित होंगी। भारतीय स्टेट बैंक बीना की प्रबंधक श्रीमती मीना खरे ने कहा कि महिलाएं बैंकिंग कार्य प्रणाली को समझकर आर्थिक लेन-देन में भागीदारी कर आगे बढ़ें। उन्होंने महिलाओं को नकद रहित व्यवहार हेतु प्रेरित किया। डॉ. श्याम शंकर सिंह झांसी ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ग्रामीण विद्यालयों में ही स्वरोजगार प्रशिक्षण होना चाहिए। सरपंच श्री सूरज सिंह ठाकुर ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को आगे बढ़ाने हेतु शासन का यह एक अच्छा कदम है। पूर्व सरपंच श्री संतोष सिंह ठाकुर ने ग्रामीण महिलाओं को शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. ए.के. जैन ने कहा कि देश के विकास में ग्रामीण महिलाओं की सशक्त भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। श्रीमती शिखा अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण महिलाएं शिक्षा के प्रति जागरूक हों। श्री संजय यादव ने कहा कि महिलाएं आज के आधुनिक युग में वित्तीय प्रबंधन कर सशक्त बनें। श्रीमती गौहर खान ने महिलाओं को स्वसहायता समूह से जुड़कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती आकांक्षा बोथ ने कहा कि महिलाएं समाज की गरीब एवं कमजोर वर्ग के लोगों को आगे बढ़ाने में मदद करें। डॉ. नमीता अग्निहोत्री ने कहा कि महिलाएं सामाजिक जागरूकता के लिए पहल करें। बी.एम.ओ. श्री संजीव अग्रवाल ने कहा कि महिलाएं स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। संयोजक डॉ. एम.एल. सोनी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण हेतु गांव की अंतिम पंक्ति की महिलाओं को सशक्त बनाया जाये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर.सी. गुप्ता ने किया। आभार श्री एस.के. पंथी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बुजुर्ग महिलाओं का सम्मान किया गया एवं प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। श्रीमती आसमां खान द्वारा बनाये गये हस्तशिल्प के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेने वाले को ही असल आनंद की प्राप्ति होती है।